न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पाली

पीठासीन अधिकारी : डॉ. बजरंग सिंह, आर.ए.एस.

विविध प्रकरण संख्या : 07/2023

GCMS No. : 2023/13

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थी
जरिये सरकार आन्नद कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पाली		प्रमोद वैष्णव पुत्र श्री घीसुदास वैष्णव मैसर्स मां वैष्णव होटल सादो का बास किरवा तहसील रानी जिला पाली

"प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 26 (2)(2) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 विनियम 2011 एवं धारा 51"

उपस्थित :–

1. अप्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री जगदीश प्रजापत उपस्थित।

–: निर्णय :–

दिनांकः 28/01/2025

प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 26(2)(2) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत अप्रार्थी के विरूद्ध प्रस्तुत किया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनुपस्थित रहने से अधिवक्ता अप्रार्थी की बहस सुनी गई।

प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपने प्रार्थना पत्र में कथन किया कि प्रार्थी वर्तमान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पाली में पदस्थापित है। प्रार्थी दिनांक 13.09.2022 को दौराने गश्त अप्रार्थी की फर्म मैसर्स मां वैष्णव होटल, सादो का बास, किरवा, तहसील रानी जिला पाली पर पहुंचा व अपना परिचय देकर परिचय पत्र दिखाया, अप्रार्थी से नाम पता पुछने पर अपना नाम प्रमोद वैष्णव पुत्र घीसुदास वैष्णव बताया। फर्म का निरीक्षण करने पर पाया कि वहां 08–10 किलो बेसन रखा हुआ था। जिसे आमजन को बेचने के लिए रखा गया हुआ था, जिसमें मिलावट का शक होने पर रूबरू गवाहान के सामने दो प्रतियों में प्रपत्र 5 ए भरकर दिया जिसकी एक प्रति पर अप्रार्थी, गवाहान एवं प्रार्थी के हस्ताक्षर करवा कर रसीद प्राप्त की। अप्रार्थी को बता दिया की बेसन का नमुना वास्ते एफएसएसए एक्ट के तहत जाचं हेतु ले रहा हुं। प्रार्थी ने गवाहान एवं अप्रार्थी की उपस्थिति में 02 किलो बेसन वास्ते जांच हेतु क्रय कर उसकी कीमत 60/– रूपये नकद अप्रार्थी को देकर रसीद प्राप्त की, जिस पर अप्रार्थी, गवाह एवं प्रार्थी के हस्ताक्षर

अति. जिला कलेक्टर, पाली

है। अप्रार्थी से खरीदशुदा बेसन को नियमानुसार 04 भागो में विभाजित कर चारो पैक पर गवाहान एवं अप्रार्थी की उपस्थित में चार लेबल तैयार किये, जिस पर अप्रार्थी, गवाहान एवं प्रार्थी के हस्ताक्षर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली का कोड एवं सिरियल नम्बर आर–1530 लिखा एंव नमुना विवरण अंकित किया गया। चारों नमुनो को नियमानुसार सिलबंद कर अपने जाब्ते में लिया एंव मौके पर समस्त कार्यवाही कर मौका फर्द तैयार कि एवं अप्रार्थी व गवाहान को पढ़कर सुनाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिन्होने स्वयं ने भी पढ़कर सुनकर एवं सही मानकर हस्ताक्षर किये व स्वयं प्रार्थी ने भी हस्ताक्षर किये। कोई गवाह मौजुद नही होने से साथ आये ओम प्रकाश प्रजापत कम्प्युटर ऑपरेटर कार्यालय हाजा को गवाह बना कर हस्ताक्षर करवाये। प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुंच कर फार्म–6 की प्रतिया तैयार की तथा प्रत्येक पर नमुना सील लगाई, नमुना पैकेट मय फार्म नम्बर 6 की प्रति सीलमुहर करके नमुने को खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, जोधपुर में जमा करवाकर रसीद प्राप्त की। अप्रार्थी की फर्म से लिया गया नमुना संख्या आर–1530 के संबध में खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जोधपुर से प्राप्त रिपोर्ट संख्या एलएस/1637/एक्ट/2022/1639 दिनांक 22.09.2022 के अनुसार Sub-Standard Food पाया गया। खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जोधपुर से प्राप्त जांच रिपोर्ट की प्रति अप्रार्थी को भिजवायी गई। जिसे एक माह से ज्यादा समय व्यतित हो पर भी अप्रार्थी ने किसी प्रकार का जवाब पेश नही किया न ही पुनः जाचं हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया। इस प्रकार अप्रार्थी द्वारा Sub-Standard Food, बेसन का विक्रय कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(2) का उल्लंघन किया है, जिसके लिये अप्रार्थी दोषी है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जावे एवं अप्रार्थी पर भारी से भारी जुर्माना अधिरोपित किया जावे।

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर पाली (राज.)

अधिवक्ता अप्रार्थी से वक्त बहस कथन किया कि अप्रार्थी एक छोटा व्यापारी है। अप्रार्थी की दुकान से लिया गया बेसन का निर्माण अप्रार्थी की दुकान में नहीं किया जाकर थोक विक्रेता से खरीद कर आमजन को विक्रय किया जाता है जिसमें अप्रार्थी द्वारा किसी प्रकार कि मिलावट नहीं की जाती है। अतः अप्रार्थी पर कम से कम शास्ति आरोपित करावें।

हमने अप्रार्थी की श्रवणसुदा बहस पर मनन करते हुये खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध मौका फर्द अनुसार प्रार्थी द्वारा दिनांक 13.09.2022 को अप्रार्थी की दुकान से लिया गया बेसन का नमुना वास्ते जांच हेतु क्रय कर नियमानुसार नमूना कोड एवं क्रम संख्या आर–1530 अंकित कर सीलबन्द किया गया। पत्रावली में सलंग्न प्रपत्र

अति. जिला कलेक्टर, पाली

संख्या 5ए के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रपत्र 5ए में नमुने के संबंध में समस्त जानकारी यथा कोड नम्बर, नमुने का विवरण, अप्रार्थी का नाम, प्रार्थी के हस्ताक्षर एवं गवाह के हस्ताक्षर किये हुए है। अप्रार्थी की दुकान से वास्ते जांच लिये गये बेसन का नमुना कोड संख्या आर–1530 को खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जोधपुर भिजवाया गया। जहां से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अप्रार्थी के गोदाम से लिया गया बेसन का नमुना अवमानक (Sub-Standard) पाया गया जिसका अप्रार्थी द्वारा विक्रय करना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व नियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2(2) के प्रावधानों उल्लघंन है तथा धारा 51 के तहत शास्ति योग्य हैं।

परिणामस्वरूप प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 26(2)(2) के तहत स्वीकार किया जाता है तथा अप्रार्थी द्वारा अवमानक (Sub-Standard) बेसन का विक्रय करने के कारण इसी अधिनियम की धारा 51 के तहत अप्रार्थी पर 10,000/– अक्षरे दस हजार रूपये की शास्ति आरोपित की जाती है, साथ ही अप्रार्थी को निर्देश दिये जाते है कि वे उक्त राशि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मद "0210–चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04–लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, (03) खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञापत्र शुल्क आदि" में जमा करवा कर चालान की प्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत करें। इस निर्णय की प्रतिलिपि अप्रार्थी एवं प्रार्थी को वास्ते पालनार्थ भिजवाई जावे। बाद पालना पत्रावली फैसल में शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 28/01/2025 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(डॉ बजरंग सिंह)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पाली
अति. जिला कलेक्टर पाली